## खास खबरें

### रेनॉ का कॉम्पैक्ट सेगमेंट में बड़ा धमाका, भारत में सबसे सस्ती एसयूवी लॉन्च!

**भारतीय** बाजार में रेनॉ किगर की एंट्री हो चुकी है। फ्रांस की कार निर्माता कंपनी रेनॉ ने अपनी बहुप्रतिक्षित एसयूवी को 5.45 लाख रुपये की शुरुआती कीमत पर लॉन्च किया है। भारतीय बाजार में इसका मुकाबला मारुति सुजुकी विटारा ब्रेजा, हुंडई वेन्यू, टाटा नेक्सॉन, महिंद्रा, किआ सॉनेट और निसान मैग्नाइट जैसी गाड़ियों से होगा। दरअसल ग्राहक लंबे समय से रेनॉ किगर की कीमत का इंतजार कर रहे थे। अब कंपनी ने इस सेगमेंट में सबसे सस्ती कॉम्पैक्ट उतारकर बाजार में इस सेगमेंट की दूसरी गाड़ियों के लिए चुनौती पेश कर दी है। रेनॉ किगर की (एक्स-शोरूम) शुरुआती कीमत 5.45 लाख रुपये और टॉप मॉडल की कीमत 9.55 लाख रुपये है।

भारतीय बाजार में कॉम्पैक्ट एसयूवी की बढ़ती डिमांड को देखते हुए अब रेनॉ ने सेगमेंट में एंट्री मारी है। शानदार लुक्स कॉम्पैक्ट एसयूवी की पहचान होती है। जहां तक रेनॉ किगर की बात है तो इसके लुक पर कंपनी ने खास ध्यान दिया है। रेनॉ ने 4 वेरिएंट- और के साथ किगर को उतारा है। वैसे भी भारतीय बाजार मौजूद रेनॉ की कारों का लुक एक से बढ़कर एक है। इससे पहले भारतीय बाजार में सबसे सस्ती कॉम्पैक्ट निसान है, जो 4.99 लाख रुपये की शुरुआती कीमत पर लॉन्च की गई थी, और फिर इसकी कीमत बढ़ाकर 5.49 लाख रुपये कर दी गई। टर्बो इंजन का माइलेज 20 किलोमीटर प्रति लीटर है, जबकि नॉर्मल इंजन का माइलज 18 किलोमीटर प्रति लीटर है।

### वीके उपभोक्ता अब बिना किसी अतिरिक्त लागत के रात भर पा सकते हैं अनलिमिटेड डेटा के फायदे

**भोपाल।** रात में इंटरनेट और ओटीटी की मांग तेज़ी से बढ़ रही है, खासतौर पर प्रत्यास्थ समय में और घर से काम करने वाले लोग इंटरनेट पर ज़्यादा समय बिता रहे हैं। इसी मांग को पूरा करने के लिए वी ने अनलिमिटेड हाई स्पीड नाईट-टाईम डेटा की घोषणा की है। यह सुविधा वी के सभी प्रीपेड उपभोक्ताओं के लिए रु 249 और इससे अधिक से सभी अनलिमिटेड रीचार्ज पर बिना किसी अतिरिक्त लागत के रात 12 बजे से सुबह 6 बजे तक उपलब्ध होगी। मोबाइल इंटरनेट महामारी के इस दौर में ऑक्सीजन की तरह काम कर रहा है, ऐसे में यह बोनस अनलिमिटेड हाई-स्पीड नाईट-टाईम डेटा वी के उपभोक्ताओं के जीवन को कहीं अधिक आसान बना देगा। वी के प्रीपेड उपभोक्ता अब अनलिमिटेड मनोरंजन का लुत्फ़ उठा सकते हैं, लम्बे समय तक अपने प्रियजनों के साथ वीडियो कॉल्स कर सकते हैं और डेली डेटा की सीमा की चिंता किए बिना डाउनलोड्स कर सकते हैं। वी के उपभोक्ता रु 249 या इससे अधिक के अनलिमिटेड डेली डेटा कोटा पैक पर वीकेन्ड डेटा रोलओवर का लुत्फ़उठा सकते हैं, इससे न केवल उपभोक्ता देर रात इंटरनेट सुविधाओं का लाभ उठा सकते हैं बल्कि सप्ताह के दौरान डेली कोटा से बचे हुए डेटा को कैरी फॉरवर्ड भी कर सकते हैं और सप्ताहान्त पर इसका उपयोग कर सकते हैं। उपभोक्ताओं खासतौर पर युवाओं में रात के समय डेटा की मांग बढ़ रही है।

### इन्दिरा आईवीएफ ने पार किया 75000 सफल आईवीएफ प्रेगनेंसी का आंकड़ा

**भोपाल।** भारत में नि:संतानता उपचार क्लिनिक्स की अग्रणी श्रृंखला इन्दिरा आईवीएफ ने चिकित्सा विशेषज्ञता और तकनीकी कौशल द्वारा 75000 सफल आईवीएफ प्रेगनेंसी? का मुकाम हासिल कर लिया है। इन्दिरा आईवीएफ, एक उद्देश्य के साथ स्वास्थ्य सेवा संगठन के रूप में भारत के दूरदराज के क्षेत्रों तक नि:संतानता का उपचार उपलब्ध कराने पर गौरवान्वित महसूस करता है। 2011 में अपनी स्थापना और सम्पूर्ण भारत में 94 केन्द्रों के साथ एक लाख साईकिल्स करके आज इन्दिरा आईवीएफ देश की सबसे बड़ी और सबसे विश्वसनीय फर्टिलिटी हॉस्पिटल श्रृंखला है। इस अवसर पर इन्दिरा आईवीएफ के संस्थापक और चेयरमैन डॉ. अजय मुर्डिया ने कहा, हमें उन परिवारों के बारे में सोचने पर संतुष्टि मिलती है जिन्हें हमने अपने काम से प्रभावित किया है। हमने समाज में नि:संतानता के प्रति नजरिये को बदलने की शुरूआत की थी और खुशी की बात यह है कि हम इसमें सफल हुए हैं और इस समस्या के समाधान के लिए लोग चिकित्सा विज्ञान की ओर रुख कर रहे हैं। इन्दिरा आईवीएफ के सह-संस्थापक और सीईओ डॉ. क्षितिज मुर्डिया ने कहा कि ये सफलता की सभी कहानियां, सफल क्लिनिकल परिणामों पर हमारे सामूहिक रूप से दिये गये ध्यान का परिणाम है। हमने यह सुनिश्चित किया है कि हमारी विश्व स्तरीय तकनीक हमारे लक्ष्यों को प्राप्त करने का मुख्य स्त्रोत बनती है।

# फ्यूचर-रिलायंस डील में आया नया मोड़ फ्यूचर ग्रुप ने लगाया ऐमजॉन पर गंभीर आरोप

**नई दिल्ली**

खुदरा स्टोर चलाने वाले समूह फ्यूचर ने आरोप लगाया है कि अमेरिकी रिटेल कंपनी ऐमजॉन ने रिलायंस इंडस्ट्रीज को कारोबार बेचने के उसके करार के खिलाफ उससे 4 करोड़ डालर मुआवजा मांगा था। ऐमजॉन ने फ्यूचर ग्रुप की ओर से सिंगापुर के पंच-निर्णय मंच पर किए गए इस दावे को झूठा और भ्रामक करार दिया है। किशोर बियानी के नेतृत्व वाले फ्यूचर समूह ने सिंगापुर के अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता निर्णय केंद्र की एक पीठ के समक्ष प्रस्तुत अपने दावे में कहा है कि ऐमजॉन ने रिलायंस इंडस्ट्रीज के साथ उसके करार पर फोन से हुई बात चीत में 4 करोड डालर यानी 290 करोड रुपए की मांग की थी।

फ्यूचर ग्रुप ने यह भी कहा है कि अमेरिकी कंपनी ऐमजॉन को 24713 करोड रुपए के फ्यूचर-रिलायंस इंडस्ट्रीज सौदे का पूरा ज्ञान था। लेकिन ऐमजॉन के एक प्रवक्ता ने कहा कि कंपनी फ्यूचर समूह के इस दावे को असत्य और भ्रामक मानती है। प्रवक्ता ने कहा कि फ्यूचर का यह दावा संदिग्ध है और यह ऐसे समय पर जनता में भ्रम फैलाने का प्रयास है जबकि ऐमजॉन ने उच्चतम न्यायालय के समक्ष एक विशेष अनुमति याचिका दायर की है। प्रवक्ता ने कहा कि ऐमजॉन ने फ्यूचर रिटेल लिमिटेड को उसके कारोबार में गिरावट के समय मदद की बराबर पेशकश की और उसके साथ बातचीत को तैयार रही जबकि फ्यूचर ग्रुप समूह ने उसकी पेशकश को इनकार कर दिया। गौरतलब है कि अगस्त 20019 में ऐमजॉन फ्यूचर समूह की गैर सूचीबद्ध कंपनी फ्यूचर कूपंस लिमिटेड की 49 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने का एक करार किया था। फ्यूचर कूपंस के पास फ्यूचर समूह की बीएसई में सूचीबद्ध कंपनी फ्यूचर रिटेल की 7.3 प्रतिशत हिस्सेदारी है। ऐमजॉन ने फ्यूचर के साथ यह भी करार किया था कि वह 3 से लेकर 10 साल के बीच सूचना डिटेल्स को भी खरीद सकती है। 29 अगस्त 2020 को फ्यूचर समूह ने रिलायंस के साथ अपने करार घोषणा जिसमें उसने अपने खुदरा और थोक व्यवसाय को रिलायंस रिटेल को बेचने का करार कर लिया था, में कहा था कि रिलायंस इंडस्ट्रीज के साथ उसका यह करार 24713 करोड़ रुपए का है।

ऐमजॉन ने इसके खिलाफ अक्टूबर 2020 में सिंगापुर अंतरराष्ट्रीय पंचाट केंद्र में एक सदस्यीय आपातकालीन पीठ के समक्ष चुनौती दी। ऐमजॉन ने आरोप लगाया कि रिलायंस के साथ कारोबार बेचने का करार कर फ्यूचर में उसके साथ अनुबंध की अवहेलना की है। फ्यूचर ग्रुप में सिंगापुर के मध्यस्था मंच सुनवाई मैच में अक्टूबर 2020 ने अपने बयान में कहा है कि अगस्त 2020 में तीसरे नंबर के प्रतिवादी किशोर बियानी और 8 वें नंबर के प्रतिवादी राकेश बियानी तथा अमेज़न डॉट कॉम एनवी इन्वेस्टमेंट होल्डिंग्स एलएलसी की ओर से अभिजीत मजूमदार के बीच हुई बातचीत में वादी ऐमजॉन की ओर से 4 करोड डालर की के मुआवजे की मांग की गई।

पीटीआई-भाषा के पास उपलब्ध इस मामले के कागजात अनुसार फ्यूचर ग्रुप ने यह भी कहा है कि ऐमजॉन का यह दावा ठीक नहीं है कि उसे रिलायंस के साथ उसके करार की जानकारी नहीं थी। सिंगापुर के फोरम में दाखिल 12 अक्टूबर 2020 के इस दस्तावेज में इस बात का भी उल्लेख है कि फ्यूचर रिटेल ने 29 अगस्त 2020 को सार्वजनिक सूचना में बताया था कि उसका रिलायंस के साथ करार हुआ। समूह का कहना है कि उसने दावेदार ऐमजॉन के प्रतिनिधियों को बता दिया था कि रिलायंस के साथ उसकी बातचीत चल रही है।

गौरतलब है कि सिंगापुर केंद्र की एक सदस्यीय मध्यस्थता पीठ ने 25 अक्टूबर 2020 को अंतरिम आदेश में फ्यूचर रिटेल को रिलायंस के साथ सौदे पर आगे बढ़ने से रोक लगा दी थी। फ्यूचर ने इस फैसले को दिल्ली उच्च न्यायालय में चुनौती दी। दिल्ली उच्च न्यायालय की एकल पीठ ने फ्यूचर रिटेल को फ्यूचर रिटेल के खिलाफ फैसला दिया लेकिन उस फैसले के खिलाफ फ्यूचर रिटेल की अपील पर अदालत की दो सदस्यों वाली पीठ ने कहा कि इस मामले में भारत की नियामक संस्थाओं को समझौते को स्वीकृति देने के संबंध में कोई निर्णय करने से रोका नहीं जा सकता।

# दूध बेचने के लिए किसान ने खरीद लिया हेलीकॉप्टर!

**महाराष्ट्र**

भिवंडी के एक किसान जनार्दन भोईर आजकल अपने इलाके में खूब चर्चा में हैं, क्योंकि उन्होंने हेलीकॉप्टर खरीद लिया है। एक किसान के पास हेलीकॉप्टर, सुनकर यकीन होना मुश्किल है। लेकिन ये सच है। दरअसल, जनार्दन को अपने दूध व्यवसाय के सिलसिले में कई बार देश के दूसरे हिस्सों में जाना पड़ता है, इसलिए उन्होंने हेलीकॉप्टर खरीद लिया, अब वो हेलीकॉप्टर में बैठकर इन दौरों को पूरा करेंगे।

**डेयरी बिजनेस के लिए खरीदा हेलीकॉप्टर**-खेतीबाड़ी और दूध का कारोबार करने वाले किसान जनार्दन भोईर आजकल इस हेलीकॉप्टर का ट्रायल भी ले रहे हैं। किसानी करने के साथ-साथ जनार्दन का रियल एस्टेट का भी बिजनेस है। अपने काम के सिलसिले में उन्हे कई बार देश के अलग अलग हिस्सों में जाना पड़ता है।

**कई बार काम से बाहर जाना पड़ता है**-इसलिए आने-जाने के लिए उन्होंने हेलिकॉप्टर खरीदा है। जनार्दन का कहना है कि डेयरी के कारोबार के लिए उन्हें अक्सर पंजाब, गुजरात, हरियाणा, राजस्थान जैसे इलाकों में जाना पड़ता है। 30 करोड़ का हेलीकॉप्टर खरीदकर उन्होंने सबको चौंका दिया है। पूरे इलाके में ही आजकल वो चर्चा में हैं।

जनार्दन भोईर ने अपने घर के नजदीक ही हेल्कॉप्टर की लिए हेलीपैड का निर्माण भी करवा लिया है। साथ ही में पायलट रूम, टेक्नीशियन रूम बनाने की भी तैयारी कर ली है। उन्होंने बताया कि 15 मार्च को मेरे हेलिकॉप्टर की डिलीवरी होनी है, मेरे पास 2.5 एकड़ की जगह है जहां पर हेलीकॉप्टर के लिए राउंड पट्टी और दूसरी चीजें बनाएंगे। दरअसल, भिंवडी इलाके में कई बड़ी कंपनियों के गोदाम हैं जिससे लोगों को अच्छा किराया मिलता है। देश की सारी मंहगी गाड़ियां भिंवडी इलाके मे दिखाई दें जाएंगी।

## सोनालीका के पहले ग्राहक के दमदार 25 साल

**भोपाल।**

**सोनालीका के पहले ग्राहक, राज कुमार सोनी, ने कंपनी के साथ अपनी 25 साल लम्बी दमदार साझेदारी को साझा किया और बताया कैसे सोनालीका ट्रैक्टर्स खेतों में कृषि समृद्धि ला रहा है।**

किसी भी किसान के लिए एक नया ट्रैक्टर खरीदना हमेशा एक मुश्किल काम रहा है क्योंकि यह मौका उनके व्यवसाय में सबसे बड़ी खरीद व जीवन को बदलने वाला क्षण होता है। यदि एक ट्रैक्टर को किसानों की आवश्यकताओं के अनुरूप बनाया जाता है, तो यह खेती में उच्च कार्यक्षमता ला सकता है एवं खेती को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकता है। जिला विदिशा, मध्य प्रदेश के निवासी, श्री राज कुमार सोनी ने अपने पिता के संग, 25 साल पहले अपना पहला सोनालीका ट्रेक्टर ?रीदा था। ट्रैक्टर इंडस्ट्री में लंबे समय से मौजूद निर्माताओं के मुकाबले काफी नया होने के बावजूद, सोनी जी ने सोनालीका की अद्वितीय तथा अनुकूलित उत्पाद रेंज पर अपनी नम्बर 1 पसंद के रूप में भरोसा किया। सोनी परिवार ने सोनालीका की प्रतिबद्धता और कृषि समुदाय की सेवा करने के जुनून में विश्वास करते हुए अपने

खेत के लिए सोनालीका डीआई 740 IIIट्रैक्टर का चयन किया जिससे उनके परिवार की किस्मत हमेशा के लिए बदल गई। सोनालीका ट्रैक्टर अपने वादे पर खरा उतरा और सोनी परिवार के पास मौजूद पिछले सभी अन्य ट्रैक्टर्स को पीछे छोड़ दिया। ट्रैक्टर ने बेजोड़ गुणवत्ता, विश्वसनीयता और बेहतर प्रदर्शन के साथ बेस्ट-इन-क्लास सुविधाओं की पेशकश की। ट्रैक्टर बहुमुखी प्रतिभा और उन्नत प्रौद्योगिकियों द्वारा संचालित था जिससे सोनी जी और उनके पिताजी बिना थकावट के 10 घंटे तक लगातार काम करना शुरू कर दिया। सोनालीका डीआई 740 III ट्रैक्टर के हैवी ड्यूटी माइलेज इंजन ने शक्तिशाली प्रदर्शन की पेशकश की और कुछ ही समय में ईंधन के खर्च में 15 प्रतिशत से अधिक की कमी कर दी।

### जेट एयरवेज को 2019-20 में 2,841 करोड़ का घाटा

**नयी दिल्ली।** जेट एयरवेज को मार्च 2020 को समाप्त वर्ष में एकल आधार पर 2,841।45 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। कंपनी की विमान सेवा करीब दो साल से स्थगित है। कंपनी ने बीएसई को दी सूचना में कहा कि वित्त वर्ष 2019-20 के दौरान कंपनी की कुल आय 354.2 करोड़ रुपये रही। इससे पूर्व वित्त वर्ष 2018-19 में कंपनी को 5,535.75 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। जेट एयरवेज का परिचालन 18 अप्रैल, 2019 से बंद है। कंपनी ऋण शोधन प्रक्रिया से गुजर रही है।

नयी दिल्ली, 15 फरवरी (भाषा) जेट एयरवेज को मार्च 2020 को समाप्त वर्ष में एकल आधार पर 2,841.45 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। कंपनी की विमान सेवा करीब दो साल से स्थगित है।

# बदल गया स्लीपर कोच का हुलिया बटन से खुलेंगे कोच के दरवाजे

**नई दिल्ली**

रेल मंत्रालय लंबी दूरी की ट्रेनों को यात्रियों के लिए और आरामदेह बनाने की कोशिश में जुटी हुई है। इसके लिए बोगियां की नई डिजाइन तैयार की जा रही है जो देश की आधुनिक ट्रेन तेजस के आधार पर है। इससे लोगों को रेल यात्रा का नया अनुभव मिलेगा। रेल मंत्री पीयूष गोयल ने खुद नई बोगियों की तस्वीर अपने सोशल मीडिया ट्विटर पर साझा की है।

नई तकनीक और डिजाइन की ये बोगियां इस वित्तीय वर्ष 2021-22 में भारतीय रेलवे के प्रोडक्शन यूनिट इंट्रीगल कोच फैक्ट्री (आईसीएफ) चेन्नई और मॉर्डन कोच फैक्ट्री (एमसीएफ) रायबरेली में तैयार होंगी। नई तकनीक पर आधारित 500 नए कोच बनाने का लक्ष्य रखा गया है। इन कोचों को बनाए जाने के बाद इन्हें प्रीमियम और महत्वपूर्ण ट्रेनों में जोड़ा जाएगा और बाद में धीरे-धीरे पूरे रेल नेटवर्क में पुराने डिब्बों से बदल दिया जाएगा। इन नए कोचों में सबसे बड़ी खासियत ये है कि इनके सभी गेट ऑटेमेटिक होगें जो ट्रेन के स्टेशन छोड़ते ही बंद हो जाएंगे। इसका रिपोट ट्रेन के गार्ड के पास होगा। इससे गेट खुले रहने की वजह से होने वाले वाले हादसों में कमी आएगी और लूटपाट की आशंका भी खत्म होगी। इसके साथ ही जब तक सभी गेट बंद नहीं होंगे ट्रेन नहीं चलेगी। इसके अलावा स्लीपर कोच में भी ऐसी तकनीक का इस्तेमाल किया गया है जिससे आप अपनी सीट पर बैठे-बैठे पता लगा लेंगे कि शौचालय खाली है या फिर उसका कोई इस्तेमाल कर रहा है। इसके साथ ही वॉशरूम में पानी की उपलब्धता है या नहीं सेंसर से पहले ही इसकी भी जानकारी मिल जाएगी।टॉयलेट के अंदर टच लेंस फीटिंग और एंटी ग्रैफिटी कोटिंग की व्यवस्था होगी ताकि अंदर कोई भी यात्री कुछ लिख ना सके और ट्रेन को गंदा ना कर सके। टॉयलेट गेट पर खाली और इस्तेमाल होने की सूचना देने के लिए लाइट्स का इस्तेमाल किया जाएगा। ट्रेन में सबसे ज्यादा शिकायतें टॉयलेट की गंदगी और साफ-सफाई की कमी को लेकर मिलती है। यही वजह है कि नए रेल डिब्बों में इसकी भी व्यवस्था की गई है।

# निजीकरण के लिए 4 बैंक शॉर्टलिस्ट छोटे बैंकों से होगा आगाज!

**नई दिल्ली**

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट भाषण के दौरान ऐलान किया था कि आईडीबीआई बैंक के अलावा अगले वित्त वर्ष में 2 और सरकारी बैंकों का निजीकरण किया जाएगा। हालांकि उन्होंने बैंकों का नाम नहीं बताया है। ऐसे में बैंक ग्राहकों के साथ-साथ निवेशकों के मन में भी सवाल उठ रहे हैं कि वे दो बैंक कौन से हैं, जो आने वाले दिनों में प्राइवेट बैंक हो जाएंगे।

दरअसल, अब खबर है कि केंद्र सरकार ने 4 सरकारी बैंकों को शॉर्टलिस्ट कर लिया है, कहा जा रहा है कि इनमें से दो बैंकों का निजीकरण अगले वित्त-वर्ष में किया जाएगा। बाकी दो बैंकों का आगे निजीकरण किया जाएगा। जिन बैंकों को निजीकरण के लिए चयनित किया गया है, उनमें बैंक ऑफ महाराष्ट्र, बैंक ऑफ इंडिया , इंडियन ओवरसीज बैंक और सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया शामिल हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक शॉर्टलिस्टेड इन 4 बैंकों में से 2 बैंकों का निजीकरण अगले वित्त वर्ष हो सकता है। हालांकि, सरकार ने अभी प्राइवेट होने वाले बैंकों का नाम औपचारिक तौर पर सार्वजनिक नहीं किया है। सूत्रों के मुताबिक बैंकों के निजीकरण की प्रक्रिया 5 से 6 महीनों में शुरू होने की उम्मीद है। सरकार ने इस बजट में दो बैंकों के निजीकरण का ऐलान किया था, जबकि दो बैंकों का जिक्र पिछले बजट में भी किया गया था रॉयटर्स की रिपोर्ट में 3 सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि केंद्र सरकार शुरुआत में छोटे बैंकों के निजीकरण पर मुहर लगा सकती है। इससे ये पता चल जाएगा कि निजीकरण के दौरान किस तरह की समस्याएं आती हैं। छोटे बैंकों के निजीकरण में जोखिम थोड़ा कम होगा। यही नहीं, बैंक यूनियन निजीकरण का विरोध कर रहे हैं। क्योंकि निजीकरण से बैंक कर्मचारियों की नौकरियां जाने का खतरा है। सूत्रों के मुताबिक छोटे बैंकों की सफलता से निजीकरण के बाद आने वाले वर्षों में बड़े बैंकों को भी बेचने की प्रक्रिया शुरू हो सकती है।

### तेल के दाम में लगातार आठवें दिन बढ़त

**नई दिल्ली** । महंगाई बढ़ने और ट्रांसपोर्टर्स द्वारा हड़ताल की धमकी के बावजूद तेल कंपनियां ईंधन के दाम बढ़ाने का सिलसिला खत्म नहीं कर रहीं। मंगलवार को देश में तेल के दाम में लगातार आठवें दिन बढ़त की गई। इस बढ़त के बाद मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में प्रीमियम पेट्रोल 100 रुपये लीटर को पार कर गया है।

वहीं दिल्ली में सामान्य पेट्रोल की आज कीमत बढ़कर 89।29 रुपये लीटर हो गई है। आज पेट्रोल के दाम में 30 पैसे तो डीजल के दाम में 35 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई। इस बढ़त के बाद दिल्ली में पेट्रोल 89.29 रुपये और डीजल 79.70 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

# एक साल की ऊंचाई पर थोक महंगाई दर

**नई दिल्ली**

महंगाई डायन ने आम आदमी को हर तरफ से घेर लिया है। पेट्रोल-डीजल की कीमतें इतिहास में सबसे ज्यादा महंगी हो चुकी हैं, रुदाम भी 50 रुपये बढ़ चुके हैं, प्याज और सब्जियां भी आम आदमी की थाली से दूर जाने लगी हैं। महंगाई ने किस कदर लोगों की कमर तोड़ी है, इसकी तस्दीक आज जनवरी के थोक महंगाई के आंकड़ों ने भी कर दी है।

**1 साल की ऊंचाई पर थोक महंगाई दर** -जनवरी महीने में थोक महंगाई दर में उछाल आया है। जनवरी महीने के लिए थोक महंगाई दर का डेटा आ गया है। जनवरी में थोक महंगाई दर 2.03 फीसदी रही है, जो कि फरवरी 2020 के बाद सबसे ज्यादा है। दिसंबर महीने में थोक महंगाई दर 1।22 फीसदी रही थी। पिछले साल जनवरी में थोक महंगाई दर 3.52 परसेंट थी।

जनवरी की ये थोक महंगाई दर एक साल के उच्चतम स्तर पर है। इससे पहले फरवरी 2020 को थोक महंगाई दर 2।26 फीसदी रही थी। जनवरी के लिए थोक कोर इंफ्लेशन रेट 5.2 फीसदी है, जबकि इसके पिछले महीने यानी दिसंबर में ये 4.1 परसेंट पर था।

**स्पेशल खबर...** *5जी सेलुलर नेटवर्क पांचवीं पीढ़ी का नेटवर्क है, जो 4जी की तुलना में ज्यादा तेज़, भरोसेमंद और स्टेबल है...*

# 5जी को लेकर जीयो, एयरटेल, वोडाफोन, आईडिया की भारत में है तैयारी

**भारत** में 5 जी कब शुरू होगा शायद इस सवाल का जवाब आप भी ढूंढ रहे होंगे। सरकार और टेलीकॉम कंपनियों ने अभी तक इस प्रश्न पर चुप्पी साधी हुई थी, लेकिन पिछले कुछ दिनों में कुछ अच्छी खबरें भी सुनने में आई हैं। दूरसंचार विभाग ने संसद की एक खास समिति द्वारा फटकार लगाए जाने के बाद पूछे गए सवालों के जवाब में कहा है कि भारत में 1 मार्च से रेडियो वेव्ज़ की नीलामी होनी है। साथ ही जीयो, एयरटेल, वोडाफोन, आईडिया सभी 5जी नेटवर्क की शुरुआत करने के लिए पूरी तरह से तैयार दिखाई दे रहे हैं। कंपनियों ने अपने नेटवर्क कंपोनेंट्स को अपग्रेड करना शुरू कर दिया है। इसके अलावा, यह भी बता दें कि ने हाल ही में कमर्शियल नेटवर्क पर 5 जी सर्विस का डेमो किया है। फिर भी, सवाल अभी भी यही है कि भारत में 5जी कब शुरू होगा

5जी सेलुलर नेटवर्क पांचवीं पीढ़ी का नेटवर्क है, जो 4जी की तुलना में ज्यादा तेज़, भरोसेमंद और स्टेबल है। 5जी उसी रेडियो फ्रीक्वेंसी पर चलता है जो वर्तमान में आपके स्मार्टफोन पर, वाई-फाई नेटवर्क पर और सैटेलाइट कम्युनिकेशन में इस्तेमाल किया जा रहा है, लेकिन यह नेक्स्ट जनरेशन टेक्नोलॉजी है, जो मौजूदा 4जी तकनीक की तुलना में काफी बेहतर है। 5जी में आप कुछ सेकंड में पूरी एचडी मूवी डाउनलोड कर सकते हैं। 5जी केवल डाउनलोड स्पीड के लिए अच्छा नहीं है, बल्कि यह वर्तमान हार्डवेयर इकोसिस्टम

को मजबूती से जोड़े रखने में भी मदद करेगा। कैलिफोर्निया स्थित नेटवर्क टेस्टिंग कंपनी के मुताबिक 5जी फिलहाल ऑस्ट्रिया, फिनलैंड, जर्मनी, इटली, स्पेन, यूके, अमेरिका, ओमान, कुवेत, कतर, साउदी अरेबिया, ऑस्ट्रेलिया, चीन, न्यूजीलेंड, साउथ कोरिया समेत कुछ अन्य देशों में शुरू हो चुका है।

फिलहाल सरकार और टेलीकॉम कंपनियों ने 5जी की शुरुआत को लेकर स्पष्ट बयान साझा नहीं किए हैं, जहां एक ओर एयरटेल कह चुका है कि डोमेस्टिक टेलीकॉम मार्केट को 5जी के लिए तैयार होने में दो से तीन वर्षों का समय लग जाएगा। वहीं, दूसरी ओर दूरसंचार विभाग का कहना है कि 1 मार्च से रेडियो वेव्ज़ की नीलामी होगी। हालांकि विभाग ने यह भी साफ कह दिया है कि स्पेक्ट्रम की नीलामी में अभी और समय लगना है।

भारत में अभी 5जी फ्रिक्वेंसी बैंड उपलब्ध नहीं है। जैसा कि हमने बताया कि भारत में 1 मार्च से रेडियो वेव्ज़ की नीलामी होनी है। टेलीकॉम रेग्युलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया 700 5 से 2,500 रु5 फ्रिक्वेंसी की नीलामी करेगी। हालांकि टेलीकॉम कंपनियों का कहना है कि इतनी फ्रीक्वेंसी 5जी की शुरुआत के लिए पर्याप्त नहीं है। कंपनियों का कहना है कि 5जी के लिए भारत में 3,300 से 3,600 मेगाहर्ट्ज़ स्पेक्ट्रम चाहिए।

एयरटेल ने पिछले महीने के आखिर में कमर्शियल नेटवर्क पर 5त्न सर्विस को सफलतापूर्वक शूरू करने वाला एक डेमो वीडियो साझा किया। कंपनी ने यह डेमो हैदराबाद में किया। रिलांयस जियो पर निशाना साधते हुए नई टेलीकॉम दिग्गज ने कहा कि कंपनी ने नॉन-स्टैंडअलोन नेटवर्क टेक्नोलॉजी के जरिए 1800रू।5 बैंड के साथ मौजूदा स्पेक्ट्रम पर 5 जी और 4जी को एक-साथ ऑपरेट किया है। कंपनी ने एयरटेल 5जी को मौजूदा नेटवर्क टेक्नोलॉजी में 10 गुना ज्यादा स्पीड देने के लिए टीज़ किया। वह दूरसंचार विभाग द्वारा अनुमति दिए जाने पर अपने 5त्न और 4जी नेटवर्क को एक ही स्पेक्ट्रम ब्लॉक के भीतर गतिशील रूप से चला सकती है और कुछ ही महीनों में 5त्न को शुरू करने के लिए भी तैयार हो जाएगी।

मेसर्स दैनिक नईदुनिया के लिए प्रकाशक अपूर्व तिवारी के द्वारा 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, भोपाल- 462011 से प्रकाशित एवं मुद्रक डॉ. विश्वास तिवारी के द्वारा नईदुनिया प. प्रा.लि., 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, भोपाल-462011 से मुद्रित। प्रबंध संपादक: डॉ. सुरेन्द्र तिवारी एवं संपादक: अपूर्व तिवारी। *
फोन-0755-2550900-01,-03, फैक्स नं.- 0755-2553914 e-mail : naidunia@gmail.com ( * समाचार पत्र से संबंधित सभी प्रकार के विवादों के लिए न्याय क्षेत्र सिर्फ भोपाल होगा।) रजिस्टर्ड नं.म.प्र./296/भोपाल/2012-2014 आर.एन.आई. रजि. क्र. 47694/88, डाक पंजीयन क्र. म.प्र./भोपाल/296/2015-2017